# महिला सशक्तिकरण में प्रिंट मीडिया की भूमिका

सत्र:2022-2023

एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर(जे.एम.सी) के चतुर्थ

प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु लघु शोध प्रबंध


**मार्गदर्शक**

डॉ. अरुण प्रताप

असिस्टेंट प्रोफेसर

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग।

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय।

बिलासपुर (छ. ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**

मनीषा सोनी

एम.ए.(जे.एम.सी.) चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक:21008113

नामांकन क्रमांक:GGV/21/00510

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर



विभागाध्यक्ष
H.O.D
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
Deptt. of Journalism & Mass Communication
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाण- पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **मनीषा सोनी** एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर की पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय (छ.ग.) की छात्रा है। इन्होंने मेरे निर्देशन में **"महिला सशक्तिकरण में प्रिंट मीडिया की भूमिका"** विषय पर लघु शोध प्रबंध पूर्ण किया है।

विभागाध्यक्ष

डॉ. धीरज शुक्ला

पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय,

कोनी बिलासपुर(छ.ग.)

निर्देशक

25/08/2025

डॉ. अरुण प्रताप

(असिस्टेंट प्रोफेसर)

पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय,

कोनी बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# अध्याय – 1

## प्रस्ताव एवं शोध पद्धति

### 1.1प्रस्तावना

मीडिया जब भी यह शब्द हमें सुनने को प्राप्त होता है तब हमारे मस्तिष्क में विभिन्न प्रकार के संचार माध्यमों की छवि निर्मित होती है जैसे कि:- समाचार पत्र,मासिक पत्रिका, दैनिक पत्रिका, साप्ताहिक पत्रिका,रेडियो माध्यम, टेलीविजन एवं चलचित्र माध्यम।

जिसमें जिसमें प्रिंट माध्यम सबसे पुराना माध्यम कहा जाता है प्रिंट माध्यम को आदि काल जितना पुराना माना जाता है प्रिंट माध्यम से ही पहले लोग सूचनाओं का प्रचार प्रसार करते थे। वास्तव में हमारे आसपास उपस्थित समस्त मीडिया माध्यमों का उद्देश्य होता है कि समाज में घटित होने वाली विभिन्न प्रकार की घटनाओं आयोजनों वर्तमान में चल रही सामाजिक स्थिति संबंधी जानकारी एवं ऐसी सूचनाओं का बोध होना जो सामाजिक दृष्टिकोण से समाज के लोगों को जाना आवश्यक है।

मीडिया विभिन्न वर्गो जैसे:- महिला,युवा,पुरुष,व्यवसाई कृषक,राजनेता, शिक्षक, विद्यार्थी सभी को एक दृष्टिकोण प्रदान करने का कार्य करती है जिसके फलस्वरूप वह सभी वर्ग के लिए अपने स्वयं के भीतर आवश्यक सूचना एवं भ्रामक सूचनाओं के मध्य भेद करने की क्षमता को विकसित कर पाते हैं।

आजादी के पूर्व प्रिंट मीडिया पूरी तरह से स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए समर्पित थी परंतु आज के युग में प्रिंट मीडिया अनेक विषयों पर अपनी राय प्रस्तुत करता है एवं लोगों और समाज को जागरूक करता है।

समाज में लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ सबसे जरूरी विषय यह है कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना इसमें महिला सशक्तिकरण की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि यदि महिला सशक्तिकरण ना हो तो हमारा समाज पिछड़ा ही रहेगा। महिला सशक्तिकरण के द्वारा ही हमारे समाज में सुधार लाया जा सकता है।

Scanned with OKEN Scanner